

tary does not fall within the purview of this question. Sir, for that the hon. Member can give us a separate notice..

श्री राम नगेश पासवान : मंत्री महोदय से मैं जानना चाहता हूँ कि आई०टी०सी० कम्पनी जो है वह किस किस देश को सिगरेट सप्लाय कर रहा है?

श्री उत्तमार्ति : यह सवाल कहाँ से इसमें उठता है। सिगरेट सप्लाय का सवाल नहीं उठता है।

श्री राम नगेश पासवान : नेपाल के साथ जो एग्रीमेंट हुआ था उसमें नेपाल जो है उसने हमारे यहाँ से करीब 9112 टन टोबैको की मांग की थी चाईना ने भी इसी तरह से करीब 21,740 टन की मांग की थी। नेपाल जो है वह कांटेबल है। इसलिए वे जो वहाँ पर इन्वेस्ट करेंगे सारांशदा हो जायेंगे तो नेपाल से ही फरेन सप्लाय होना शुरू हो जायेगा। इसलिए मैं सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ कि चूँकि भारत का राजस्व बचे, जो यहाँ के टोबैको प्रोड्यूसर्स है उन पर इफेक्ट नहीं पड़े, उनको फायदा मिलता रहे, इसलिए उनका जो प्रोमोजन है क्या सरकार उसको रिजर्व कर देने की कृपा करेंगी?

श्री राम दुलारी सिन्हा : मैंने पहले ही प्रारम्भिक जवाब में बताया था कि जॉइंट वेन्चर के रूप में वहाँ पर सिगरेट फैक्ट्री खोलने के लिए इस कम्पनी ने सरकार को आवेदन किया था। इंटर मिनिस्ट्रीयल कमिटी में जो वास्तविक हुई और आई०टी०सी० के प्रोमोजन के मुताबिक ही इसे डेफाई कर दिया गया और अबर पार्स पूरक प्रश्न के हैं वे इसके परम्पू के अंदर नहीं आते हैं। उसके लिए दूसरा सवाल अगर करेंगे तो मैं उसका जवाब दे दूँगा।

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : मान्यवर, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि इस संयुक्त उपक्रम के मुख्य मुद्दे क्या हैं, इस ज्वाइंट वेन्चर के सैलियंट फीचर्स क्या हैं।

श्रीमती राम दुलारी सिन्हा : इसका मुख्य मुद्दा था कि equity share was proposed.

I have already explained the salient features of the proposed ventures, however some more details are as under:—

Entitlement to ITC from this joint venture are projected as: Technical services for the first 3 years in Nepalee currency 10.5 lakhs per annum, next 3 years N.C. at 8.25 lakhs per annum, and next 3 years-N.C. 4.1 lakhs per annum. Royalty: first three years-NC. 8 lakh per annum, next 3 years it is NC 4 lakhs per annum and next 3 years again, it is N.C. 2 lakh, per annum. Turn Key services-preparations for feasibility study: NC 3 lakh and turn-key fee NC. 5 lakh for the first year from the date of signing of the Fgreement and N.C. 21 akhs for the second year.

WELCOME TO THE VISITING MEMBERS OF THE LEGISLATIVE ASSEMBLY OF MAURITIUS

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have a very pleasant announcement to make. We have with us this morning a delegation of Members of the Legislative Assembly of Mauritius led by Hon'ble Shri Chatradhari Daby, speaker of the Legislative Assembly, Mauritius. The delegation is on a visit to India from the 15th to 23rd November, 1983. The Members of the delegation are now seated in the Special Box. On behalf of the Members of the House and on my own behalf. I take pleasure in extending a very hearty welcome to the Leader and other Members of the delegation and wish our distinguished guests a very enjoyable and fruitful stay in our country. We hope that by the time they leave us, they would have seen and learnt more about our country and people. Through them we convey our greetings and best wishes to the Legislative Assembly of Mauritius and

the friendly people of the Republic of Mauritius. I have no doubt that this visit at the Parliamentary delegation will further strengthen the traditional and friendly ties that exist between our two countries.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

श्री रामेश्वर सिंह : श्रीमन् आई० टी० सी० के बारे में सरकार कह रही है, यानी कि मंत्री महोदया ने अपने उत्तर में यह कहा है कि सरकार इस पर विचार कर रही है तो मैं यह जानता हूँ कि 22 अगस्त को मैंने स्पेशल मीशन के द्वारा सवाल पूछा था, तो सरकार की तरफ से जो हमको जवाब दिया गया है, वह मैं थोड़ा सा कोट कर देना चाहता हूँ :

“इस इंडियन टोबैको कम्पनी पर 108 करोड़ के ऊपर वकाया है, और यह चल करके फिर आगे कहते हैं कि यह 108 करोड़ से बढ़ कर 117 करोड़ 87 लाख रुपया हो गया है।”

यह कम्पनी, श्रीमन् आप आश्चर्य करेंगे कि इस कम्पनी के 31 जुलाई 1983 को मौर्य होटल में, जो इनका क्वार्टर है, उस पर एक छापा पड़ा और उस छापे में चरम तथा और भी आपत्तिजनक तस्करी का सामान प्राप्त हुआ। यह सारे डाकुमेंट्स हमारे पास हैं और गवर्नमेंट की सभी चिट्ठियाँ हमारे पास हैं चिट्ठियाँ मैं मंत्री महोदया को दिखा रहा हूँ यह चिट्ठियाँ हमको प्रणव बबू ने लिखी हैं, उसके जवाब में हमें लिखी हैं।

तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि ऐसी कम्पनी जो तस्करी के कार्य में देश में लगी हो और जिनके ऊपर 117 करोड़ रुपया वकाया पड़ा हो और जब उनके ऊपर रेड हुआ, छापा पड़ा और छापे के दौरान जब यह सारा सील हो गया,

तो वे लोग हाई कोर्ट में चले गये और आज तक वह मामला हाई कोर्ट में पड़ा हुआ है, तो ऐसी कम्पनी को जो देश में तस्करी का काम करती हो, देश की वित्तीय व्यवस्था को खराब करती हो, उस कम्पनी को विदेश के साथ बंधा करने को इजाजत देने के ऊपर क्यों विचार किया जा रहा है, कैसे आपने विचार किया, कैसे इस पर आपने सोचा ? और अभी भी आप कह रहे हैं कि इस पर विचार करने के लिए हमने दे दिया है आप यह क्यों कह रहे हैं ?

आप सदन को और मुल्क को आश्वासन दोजिए कि ऐसी तस्करी करने वाली कम्पनी को हम कहीं भी बाहर पैसा लगाने का इजाजत नहीं देंगे, नहीं तो यह यहाँ तस्करी करेंगे और माल वहाँ तैयार करेंगे। मैं राम भगत पासवान जो को मुबारकबाद देता हूँ कि उन्होंने यह सवाल पूछा है कि यहाँ से जो माल देश के बाहर जाता है, जो यहाँ से एक्सपोर्ट होता है वह नेपाल से एक्सपोर्ट होगा, जो हमारा दोस्त देश है। सारा बंधा वहाँ से होगा ऐसी कम्पनियों को छूट देने पर क्यों विचार किया जा रहा है ?

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : मान्यवर, जोइन्ट वेचर्स का एक प्रमुख लक्ष्य होता है कि हमारे जो केपिटल गुड्स हैं उन का एक्सपोर्ट हो, हमारे मो-हाउ का एक्सपोर्ट हो और इस संयुक्त इन्वेस्टमेंट से हमें रायल्टी भी मिले। तो जहाँ तक निर्णय की बात है, अभी तक कोई निर्णय सरकार ने लिया नहीं। तो इन सारी चीजों को देखते हुए हमारी केपिटल गुड्स का कितना एक्सपोर्ट होगा, हम की रायल्टी कितना मिलेगी—राज्य मंत्री जो ने बताया कि इतना हर साल हमको मिलेगा और हमारा मो-हाउ कितना एक्सपोर्ट होगा साथ ही साथ अगर हमारी टोबैको